Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

09 सितम्बर 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. भारत की जन्म और मृत्यु दर 50 वर्षों में आधी हो जाएगी; शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 2023 में 25 के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर आ जाएगी।

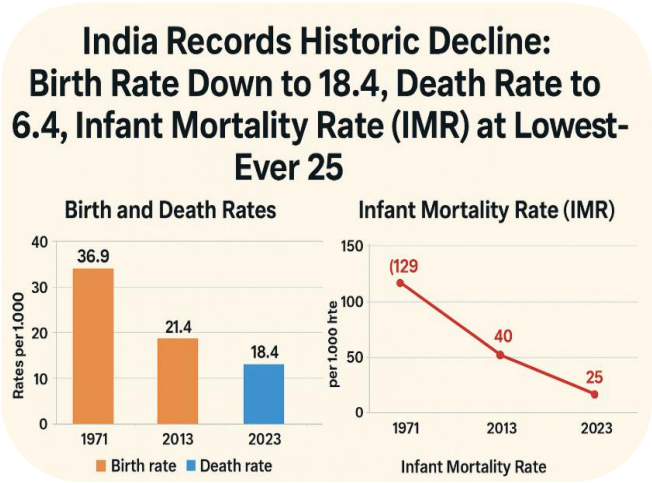

नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत ने एक प्रमुख जनसांख्यिकीय उपलब्धि हासिल कर ली है, जिसमें 1971 के बाद से अशोधित जन्म दर (CBR) और अशोधित मृत्यु दर (CDR) दोनों आधी रह गई हैं, जबकि शिशु मृत्यु दर (IMR) 1,000 जीवित जन्मों पर 25 के अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है।

- **अशोधित जन्म दर (CBR) 1971 में 36.9 से घटकर 2023 में 18.4 हो गई, जो पिछले पाँच दशकों में 50% से ज़्यादा की भारी गिरावट है। सिर्फ़ पिछले 10 वर्षों में, सीबीआर 21.4 (2013) से घटकर 18.4 (2023) हो गई है।**

- **अशोधित मृत्यु दर (CDR) में भी तीव्र सुधार हुआ है, जो 1971 में 14.9 से घटकर 2023 में 6.4 हो गई है। एक दशक पहले, 2013 में, मृत्यु दर 7.0 थी, जो स्वास्थ्य सेवा और जीवन प्रत्याशा में निरंतर सुधार को दर्शाती है।**

- **शिशु मृत्यु दर (IMR), जो प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर शिशु मृत्यु की संख्या को मापती है, 1971 में 129 से घटकर 2023 में केवल 25 रह गई। अकेले 2013 और 2023 के बीच, आईएमआर में उल्लेखनीय गिरावट आई और यह 40 से घटकर 25 हो गई, जो मजबूत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों को दर्शाता है।**

Key Points:-

(i) ग्रामीण क्षेत्रों में शिशु मृत्यु दर 28 पर बनी हुई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह काफी कम 18 दर्ज की गई है, जो समग्र प्रगति के बावजूद स्वास्थ्य देखभाल असमानताओं को रेखांकित करती है।

(ii) बिहार में जन्म दर सबसे ज़्यादा (25.8 प्रति 1,000) दर्ज की गई, जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सबसे कम (10.1) दर्ज की गई। मृत्यु दर के मामले में, छत्तीसगढ़ सबसे ज़्यादा (8.3) और चंडीगढ़ सबसे कम (4.0) रहा।

(iii) भारत की कुल प्रजनन दर (TFR) 2023 में घटकर 1.9 रह गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे है, जो दर्शाता है कि भारत जनसंख्या स्थिरीकरण की ओर बढ़ रहा है। ग्रामीण TFR 2.1 तक पहुँच गया है, जबकि शहरी TFR 1.6 पर कम है।

2. केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने 5,000 से अधिक शहरों में PMAY-शहरी 2.0 कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए "अंगीकार 2025" लॉन्च किया।

सितंबर 2025 में, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने

प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 (PMAY-U 2.0) के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लाभार्थियों तक पहुंच बनाने और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के लिए नई दिल्ली में "अंगीकार 2025" अभियान शुरू किया।

• अंगीकार 2025 अभियान 4 सितंबर से 31 अक्टूबर 2025 तक देश भर में चलाया जाएगा, जिसमें एक समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 5,000 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को शामिल किया जाएगा।

• इस पहल के हिस्से के रूप में, PMAY-U आवास दिवस 17 सितंबर 2025 को मनाया जाएगा, जो PMAY-U 2.0 की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाएगा, जिसे सितंबर 2024 में लॉन्च किया गया था।

• एक प्रमुख कार्यक्रम, "PM आवास मेला - शहरी", जिला मुख्यालयों और बड़े शहरों में नगर निगम स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिससे लाभार्थी-सरकार संपर्क मंच का निर्माण होगा।

Key Points:-

(i) अभियान गतिविधियाँ दो चरणों में शुरू होंगी - पहला चरण 17 से 27 सितंबर 2025 तक, उसके बाद दूसरा चरण 16 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच होगा, जिससे स्थानीय प्रशासन को लचीलापन मिलेगा।

(ii) अंगीकार 2025 शहरी क्षेत्रों में सभी के लिए आवास सुनिश्चित करने के PMAY-U 2.0 लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसमें स्थिरता, समावेशिता और लाभार्थी सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

(iii) 5,000 से अधिक ULBs को लक्षित करके, अंगीकार 2025 सबसे बड़े राष्ट्रव्यापी आवास जागरूकता अभियानों में से एक है, जो मनोहर लाल के नेतृत्व में शहरी आवास वितरण प्रणालियों को मजबूत करने के लिए आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रयास को प्रदर्शित करता है।

3. भारत ने 2033 तक हाई-स्पीड रोड नेटवर्क के विस्तार के लिए 11 लाख करोड़ रुपये (125 बिलियन अमेरिकी डॉलर) खर्च करने की योजना बनाई।

भारत अगले दशक में अपने उच्च गति वाले सड़क बुनियादी ढाँचे का उल्लेखनीय विस्तार करने के लिए ₹11 लाख करोड़ (लगभग 125 अरब अमेरिकी डॉलर) का भारी निवेश करने वाला है, जिसमें 120 किमी/घंटा तक की गति के लिए 17,000 किलोमीटर लंबी पहुँच-नियंत्रित सड़कें शामिल होंगी। लॉजिस्टिक्स लागत कम करने और कनेक्टिविटी में सुधार लाने के उद्देश्य से इस पहल को 2033 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

• नए हाई-स्पीड सड़क नेटवर्क का लगभग 40% हिस्सा पहले से ही निर्माणाधीन है, और इस हिस्से को 2030 से पहले पूरा करने की योजना है। शेष गलियारों पर काम 2028 तक शुरू होने और 2033 तक समाप्त होने की उम्मीद है।

• विस्तारित नेटवर्क 120 किमी/घंटा तक की गति का समर्थन करेगा, जिससे मोटर चालकों को पारंपरिक राजमार्गों की तुलना में तेज और सुरक्षित यात्रा मिल सकेगी।

• यह निवेश अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं द्वारा किए गए महत्वाकांक्षी सड़क विस्तार को प्रतिबिंबित करता है - चीन में 1990 के दशक से 180,000

किलोमीटर एक्सप्रेसवे और अमेरिका में 75,000 किलोमीटर अंतरराज्यीय राजमार्ग - जो वैश्विक समकक्षों के समान बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के भारत के इरादे को रेखांकित करता है।

Key Points:-

(i) मार्च 2025 तक, भारत का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 1,46,000 किलोमीटर से ज़्यादा लंबा है, फिर भी केवल लगभग 4,500 किलोमीटर ही हाई-स्पीड सड़कें हैं। नई योजना का उद्देश्य इस अंतर को काफ़ी हद तक कम करना है।

(ii) इस पहल से माल ढुलाई की लागत में कमी आने तथा विभिन्न क्षेत्रों में माल ढुलाई की दक्षता और कनेक्टिविटी में वृद्धि होने से सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

(iii) यह महत्वाकांक्षी योजना हाइब्रिड वित्तपोषण तंत्रों पर निर्भर करेगी - जैसे बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) और हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल (HAM) - ताकि बुनियादी ढांचे के वितरण में मजबूत निजी क्षेत्र की भागीदारी को आकर्षित किया जा सके।

INTERNATIONAL

1. जापान के 102 वर्षीय कोकिची अकुजावा माउंट फ़ूजी पर फिर से चढ़ने वाले सबसे बुजुर्ग व्यक्ति बन गए।

5 अगस्त 2025 को 102 वर्षीय कोकिची अकुजावा ने माउंट फूजी पर चढ़ने वाले सबसे बुजुर्ग व्यक्ति बनकर इतिहास रच दिया, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई, जबकि छह साल पहले उन्होंने 96 वर्ष की आयु में यही रिकॉर्ड बनाया था।

- **अकुजावा ने अपनी 70 वर्षीय बेटी, उसके पति और करीबी दोस्तों के सहयोग से तीन दिनों में 12,388 फुट (3,776 मीटर) की चढ़ाई पूरी की।**
- **तैयारी के लिए उन्होंने तीन महीने तक प्रशिक्षण लिया, सुबह 5 बजे उठकर घंटों पैदल चलते और नागानो प्रान्त में प्रत्येक सप्ताह छोटे-छोटे पहाड़ों पर चढ़ते।**
- **हृदय रोग, दाद और गिरने से लगी चोटों से जूझने के बावजूद, अकुजावा ने जुनून और भावनात्मक समर्थन से प्रेरित होकर अपना काम जारी रखा।**

Key Points:-

(i) अकुजावा के नाम अब माउंट फ़ूजी पर चढ़ने वाले सबसे बुजुर्ग व्यक्ति का गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है - यह खिताब उन्होंने पहली बार 2019 में 96 वर्ष की आयु में अर्जित किया था, और अब 102 वर्ष की आयु में पुनः प्राप्त किया है।

(ii) उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि वे "आधे रास्ते में ही हार मानने के लिए मजबूर हो गए थे", लेकिन अपने परिवार और दोस्तों के प्रोत्साहन के कारण वे शिखर तक पहुंच गए।

(iii) पूर्व इंजन डिजाइन इंजीनियर और बाद में 85 वर्ष की आयु तक पशुधन कृत्रिम गर्भाधानकर्ता रहे अकुजावा को स्वयंसेवा और चित्रकला में उद्देश्य मिलता रहा है, तथा उनकी आकांक्षा माउंट फ़ूजी के सूर्योदय को अपनी असाधारण यात्रा के सम्मान में चित्रित करने की है।

BANKING & FINANCE

1. माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क (MFIN) ने 54वीं माइक्रोमीटर रिपोर्ट जारी की: MFIs का संवितरण वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 24% सालाना घटकर ₹22,805 करोड़ रह गया।

सितंबर 2025 में, माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (MFIs) के लिए छत्र निकाय, माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क (MFIN) ने 30 जून 2025 तक अपनी तिमाही रिपोर्ट माइक्रोमीटर का 54वां संस्करण जारी किया। रिपोर्ट में पूरे क्षेत्र में संवितरण और ग्राहक आधार में उल्लेखनीय गिरावट पर प्रकाश डाला गया, जो माइक्रोफाइनेंस ऋण में तनाव को दर्शाता है।

- **माइक्रोमीटर के 54वें संस्करण से पता चला है कि 30 जून 2025 तक MFIs की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियाँ (AUM) ₹1,34,574 करोड़ थीं, जिनमें ₹1,11,849 करोड़ मूल्य का स्वामित्व वाला पोर्टफोलियो और ₹22,725 करोड़ मूल्य का प्रबंधित पोर्टफोलियो शामिल है। हालाँकि, यह 30 जून 2024 की तुलना में 16.4% की गिरावट और 31 मार्च 2025 की तुलना में 5.4% की गिरावट दर्शाता है।**

- **इसी अवधि के दौरान सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFIs) का ग्राहक आधार भी 4.5 करोड़ से घटकर 3.8 करोड़ रह गया, जो सूक्ष्म वित्त संचालन की कमज़ोर पहुँच को दर्शाता है। यह कमी इस क्षेत्र में वित्त पोषण और वितरण में आई मंदी के अनुरूप है।**

- **वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में, सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFIs) ने ₹22,805 करोड़ के ऋण वितरित किए, जो वित्त वर्ष 25 की इसी तिमाही की तुलना में साल-दर-साल 24% की गिरावट दर्शाता है। यह वितरण 41.5 लाख ऋण खातों के माध्यम से किया गया, जो सूक्ष्म वित्त क्षेत्र में ऋण देने की गति में कमी को दर्शाता है।**

Key Points:-

(i) वित्तपोषण पक्ष पर, MFIs को वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के दौरान ऋण वित्तपोषण में कुल ₹12,781 करोड़ प्राप्त हुए, जो वित्त वर्ष 25 की इसी तिमाही की तुलना में 23.6% की गिरावट है।

(ii) रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में प्रति खाता वितरित औसत ऋण राशि ₹54,956 थी, जो वित्त वर्ष 25 की इसी तिमाही की तुलना में 16.5% की वृद्धि दर्शाती है। हालाँकि कुल वितरण मात्रा में गिरावट आई है, लेकिन टिकट आकार में वृद्धि यह दर्शाती है कि ऋणदाता कम पहुँच के बावजूद प्रति उधारकर्ता अधिक ऋण प्रदान कर रहे हैं।

(iii) 54वीं माइक्रोमीटर रिपोर्ट के जारी होने से माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों पर प्रकाश पड़ता है, जिसमें एयूएम में कमी, कम संवितरण और घटता ग्राहक आधार शामिल है, लेकिन प्रति ऋण संवितरण मूल्य में वृद्धि की प्रवृत्ति भी है।

2. अमेज़न ने भारत में डिजिटल ऋण विस्तार के लिए 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर में Axio का अधिग्रहण किया।

सितंबर 2025 में, अमेज़न इंडिया ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, लगभग 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹1,762 करोड़) में फिनटेक कंपनी एक्सियो (पूर्व में कैपिटल फ्लोट) का अधिग्रहण पूरा कर लिया। यह भारत के वित्तीय क्षेत्र में अमेज़न के सबसे बड़े निवेशों में से एक है, जिससे इसके डिजिटल ऋण व्यवसाय को मजबूती मिली है।

- **संस्थापक शशांक ऋष्यश्रृंगा और गौरव हिंदुजा एक्सियो का नेतृत्व करते रहेंगे, जो अब अमेज़न की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में कार्य करेगी।**

- **एक्सियो पिछले छह वर्षों से अमेज़न पे की "अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें" (BNPL) सेवाओं को संचालित कर रहा है, और यह अधिग्रहण इस साझेदारी को औपचारिक और गहरा बनाता है।**

Key Points:-

(i) इस अधिग्रहण के साथ, अमेज़न को एक NBFC (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी) लाइसेंस प्राप्त हुआ है, जिससे वह भारत में उपभोक्ताओं और छोटे व्यवसायों को सीधे ऋण उत्पाद प्रदान कर सकेगा।

(ii) इस सौदे से अमेज़न को नए क्रेडिट उत्पाद पेश करके और भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल ऋण बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाकर अपने वित्तीय सेवा पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करने का अवसर मिलेगा।

ECONOMY & BUSINESS

1. भारत में हाइड्रोजन ईंधन सेल ट्रेनों के विकास के लिए बीएचईएल ने होराइजन फ्यूल सेल टेक्नोलॉजीज के साथ 10-वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सितंबर 2025 में, भारी उद्योग मंत्रालय (MoHI) के अंतर्गत एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) ने सिंगापुर स्थित होराइज़न फ्यूल सेल टेक्नोलॉजीज़ के साथ 10-वर्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य भारत के रेल बाज़ार के अनुरूप हाइड्रोजन फ्यूल सेल-आधारित ट्रेनों का विकास और व्यावसायीकरण करना है, जिससे स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन की ओर बदलाव को बढ़ावा मिलेगा।

- **यह साझेदारी शून्य-उत्सर्जन हाइड्रोजन-संचालित रेलगाड़ियां बनाने पर केंद्रित है, जहां हाइड्रोजन ईंधन सेल ऑनबोर्ड बिजली उत्पन्न करते हैं।**

- **ये रेलगाड़ियां डीजल इंजनों का विकल्प प्रदान करेंगी, जो वर्तमान में भारतीय रेलवे के कर्षण बेड़े का लगभग 30% हिस्सा हैं, और विद्युतीकरण प्रयासों का पूरक होंगी।**

Key Points:-

(i) यह हाइड्रोजन-आधारित परिवहन प्रौद्योगिकियों में BHEL के प्रवेश का प्रतीक है, जो विद्युत और भारी इंजीनियरिंग में अपनी मुख्य क्षमताओं से विविधता ला रहा है। यह सौदा BHEL को एक बढ़ती हुई वैश्विक हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में स्थान देता है, जिसका मूल्य 2030 तक 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जिसमें रेल परिवहन को एक प्रमुख अनुप्रयोग क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है।

(ii) यह सहयोग राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (NGHM) के अनुरूप है, जिसे जनवरी 2023 में ₹19,744 करोड़ के प्रारंभिक परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया था, जिसका लक्ष्य 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष हरित हाइड्रोजन उत्पादन करना है। भारी परिवहन को कार्बन मुक्त करने के लिए एनजीएचएम के तहत हाइड्रोजन रेल अनुप्रयोगों को प्राथमिकता माना जाता है।

(iii) यह समझौता ज्ञापन प्रणोदन प्रणाली, विद्युत इंजनों और भारी विनिर्माण में BHEL की विशेषज्ञता को ईंधन सेल स्टैक और हाइड्रोजन पावर सिस्टम में होराइजन फ्यूल सेल टेक्नोलॉजीज के वैश्विक नेतृत्व के साथ जोड़ता है, जिससे सिद्ध अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी द्वारा समर्थित स्वदेशी विकास सुनिश्चित होता है।

2. NGEL ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित करने के लिए VOC पोर्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सितंबर 2025 में, NTPC लिमिटेड की एक सहायक कंपनी, NTPC ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (NGEL) ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में एक ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित करने के लिए वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी (VOCPA) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस परियोजना के साथ, VOC पोर्ट ऐसी सुविधा वाला पहला भारतीय बंदरगाह बन जाएगा, जो भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में एक मील का पत्थर साबित होगा।

- **समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से NTPC के मुख्य महाप्रबंधक (CGM) किशोर कुमार होता और VOCPA के मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (CME) ए. गणेशन ने केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री (MoPSW) सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।**

- **इस समझौते के तहत, NGEL बंदरगाह पर हाइड्रोजन-आधारित आंतरिक दहन इंजन (ICE) ट्रक पेश करेगा। ये ट्रक धीरे-धीरे जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों की जगह लेंगे, जिससे उत्सर्जन में कमी आएगी और ऊर्जा सुरक्षा में सुधार होगा।**

Key Points:-

(i) तूतीकोरिन में हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित होने से VOC पोर्ट भारत में ऐसा पहला बंदरगाह बन गया है, जिसने इस तरह का बुनियादी ढांचा स्थापित किया है, जो भारी परिवहन और बंदरगाह संचालन के लिए

स्वच्छ ईंधन के रूप में हाइड्रोजन को अपनाने के वैश्विक रुझानों के अनुरूप है।

(ii) यह पहल भारत के तटीय आर्थिक गलियारों में हरित शिपिंग केंद्र बनाने के दृष्टिकोण का समर्थन करती है। यह परियोजना भारत के नवीकरणीय ऊर्जा नेतृत्व में तमिलनाडु की भूमिका को भी मज़बूत करती है और साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देती है।

(iii) यह परियोजना 2070 तक भारत के शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य में प्रत्यक्ष योगदान देती है और भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) के तहत प्रतिबद्धताओं को सुदृढ़ करती है। यह रसद और समुद्री परिवहन के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में बंदरगाहों की भूमिका पर प्रकाश डालती है।

MOUs and Agreement

1. PNB ने 'राइजिंग राजस्थान' पहल के तहत राजस्थान सरकार के साथ 21,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

7 सितंबर 2025 को, पंजाब नेशनल बैंक (PNB) ने राज्य की 'राइजिंग राजस्थान' आर्थिक विकास पहल के तहत विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए राजस्थान सरकार के साथ 21,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

• PNB के प्रबंध निदेशक एवं CEO अशोक चंद्रा ने इस साझेदारी को गर्व की बात बताया और बताया कि किस प्रकार बैंक का व्यापक शाखा नेटवर्क, मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचा और विविध उत्पाद राजस्थान की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में सहायक होंगे।

• राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस समझौते की घोषणा की, तथा इसे "विकसित राजस्थान" के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया तथा सहयोग के पीछे रणनीतिक मंशा को दर्शाया।

• जयपुर यात्रा के दौरान, अशोक चंद्रा ने स्वयं सहायता समूह (SHG) वितरण कार्यक्रम में महिला उद्यमियों को 2,000 ऋण स्वीकृति पत्र भी वितरित किए, जिसमें लगभग 3,000 SHG सदस्यों ने भाग लिया।

Key Points:-

(i) यह समझौता ज्ञापन राजस्थान में पात्र विकास परियोजनाओं को समर्थन देने के लिए एक संरचित वित्तपोषण तंत्र स्थापित करता है, जिससे क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में PNB की भूमिका मजबूत होती है।

(ii) PNB द्वारा कर्मचारियों के साथ टाउनहॉल बैठक तथा जयपुर में स्थानीय शाखाओं और ATM का निरीक्षण, डिजिटल बैंकिंग को अपनाने, ग्राहक पहुंच में सुधार लाने तथा अपने 18.5 करोड़ ग्राहकों के लिए सेवा उत्कृष्टता बढ़ाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को रेखांकित करता है।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. एंड्रयू माइकल होलनेस ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए जमैका के प्रधानमंत्री के रूप में पुनः निर्वाचित हुए।

सितंबर 2025 में, जमैका लेबर पार्टी (JLP) के नेता एंड्रयू माइकल होल्नेस को 3 सितंबर, 2025 को हुए संसदीय चुनावों में बहुमत हासिल करने के बाद लगातार तीसरी बार जमैका के प्रधानमंत्री के रूप में फिर से चुना गया। जमैका के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार है कि किसी नेता ने प्रधानमंत्री के रूप में तीन सीधे कार्यकाल पूरे किए हैं।

- **2025 के आम चुनावों में, JLP को 34 संसदीय सीटें मिलीं, जबकि मार्क गोल्डिंग के नेतृत्व वाली विपक्षी पीपुल्स नेशनल पार्टी (PNP) को 29 सीटें मिलीं। इससे JLP को शासन जारी रखने का स्पष्ट जनादेश मिला।**

- **परिणामों के अनुसार, JLP जमैका सीनेट में 21 में से 13 सीनेटरों को भी नामित करेगी, जिससे उसका विधायी प्रभाव मजबूत होगा।**

- **2025 का आम चुनाव 1944 में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की शुरुआत के बाद से 19वां चुनाव था, जो जमैका की लोकतांत्रिक परंपरा को जारी रखेगा।**

Key Points:-

(i) एंड्रयू होलनेस ने 1997 में 25 साल की उम्र में राजनीति में प्रवेश किया और सबसे कम उम्र के सांसदों में से एक बने। तब से उन्होंने आवास और शिक्षा (2005-2011) जैसे मंत्रालयों का कार्यभार संभाला है और 2007 तक शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया है।

(ii) होलनेस 2011 में 39 वर्ष की आयु में ब्रूस गोल्डिंग के बाद जमैका के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने। 2016 में उन्हें पूर्ण कार्यकाल के लिए पुनः चुना गया, उसके बाद 2020 में एक और जीत हासिल की, और अब 2025 में लगातार तीसरी जीत हासिल की है।

(iii) उनकी लगातार तीसरी जीत ने JLP से सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया है, जिससे जमैका में नेतृत्व निरंतरता और राजनीतिक स्थिरता के लिए एक ऐतिहासिक मिसाल कायम हुई है।

SPORTS

1. केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के लिए शुभंकर 'जलवीर' और लोगो लॉन्च किया।

5 सितंबर 2025 को, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (MYAS) के मंत्री मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के शुभंकर 'जलवीर' और आधिकारिक लोगो का अनावरण किया। इस उद्घाटन समारोह में भारतीय तैराकी महासंघ (SFI) की महासचिव मोना चोकशी और SFI के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र नानावटी भी उपस्थित थे।

• यह चैंपियनशिप 28 सितंबर से 11 अक्टूबर 2025 तक गुजरात के अहमदाबाद में नवनिर्मित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी, यह पहली बार होगा जब भारत इस प्रतिष्ठित जलीय आयोजन की मेजबानी कर रहा है।

• शुभंकर जलवीर, एक जलीय सुपरहीरो, ऊर्जा और साहस का प्रतीक है। इसका नाम 'जल' (पानी) और 'वीर' (बहादुर) को मिलाकर बना है, जबकि लोगो में एशियाई शेर को तैराकी, गोताखोरी, वाटर पोलो और कलात्मक तैराकी के प्रतीकों के साथ एकीकृत किया गया है।

• 30 से अधिक देशों के 1,000 से अधिक एथलीटों के विभिन्न जलीय खेलों में भाग लेने की उम्मीद है, जिससे यह एशिया में सबसे बड़े जलीय खेलों में से एक बन जाएगा।

Key Points:-

(i) यह आयोजन MYAS और गुजरात खेल प्राधिकरण (SAG) के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जो वैश्विक मानकों के अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

(ii) यह प्रतियोगिता जापान में 2026 में होने वाले एशियाई खेलों के लिए एक क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में कार्य करती है, जो भारतीय एथलीटों को महाद्वीपीय स्तर पर अपना स्थान सुरक्षित करने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगियों के खिलाफ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करती है।

(iii) यह चैंपियनशिप गुजरात की दीर्घकालिक खेल रणनीति के अनुरूप है, जिसमें अहमदाबाद स्पोर्ट्स सिटी परियोजना भी शामिल है, और यह भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों (CWG) और 2036 ओलंपिक खेलों की बोली जैसे प्रमुख बहु-खेल आयोजनों के लिए भविष्य के केंद्र के रूप में स्थापित करती है।

AWARDS

1. भारतीय फिल्म निर्माता अनुपर्णा रॉय ने 82वें वेनिस फिल्म महोत्सव में ओरिजोंटी वर्ग में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता।

82वें वेनिस फिल्म महोत्सव में, भारतीय फिल्म निर्माता अनुपर्णा रॉय ने अपनी स्वतंत्र फिल्म सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज के लिए प्रतिष्ठित ओरिजोंटी खंड में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता। यह फिल्म मुंबई में दो प्रवासी महिलाओं के संघर्ष को दर्शाती है।

• फ्रांसीसी फिल्म निर्माता जूलिया डुकोर्नौ की अध्यक्षता वाले ओरिजोंटी खंड में दुनिया भर के अभिनव और स्वतंत्र सिनेमा पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें रॉय की प्रविष्टि इस वर्ष चुनी गई एकमात्र भारतीय फिल्म है।

• अनुभवी अमेरिकी फिल्म निर्माता जिम जार्मुश ने फादर मदर सिस्टर ब्रदर के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डन लायन पुरस्कार जीता, जो न्यू जर्सी, डबलिन और पेरिस में परिवार की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक खोज है।

• सिल्वर लायन पुरस्कार ट्यूनीशिया के कौथर बेन हानिया द्वारा निर्देशित द वॉयस ऑफ हिंद रजब को दिया गया, जो गाजा युद्ध में मारी गई एक फिलिस्तीनी लड़की की दुखद वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित है।

Key Points:-

(i) इतालवी अभिनेता टोनी सर्विलो को पाओलो सोरेंटिनो की राजनीतिक ड्रामा फिल्म ला ग्राज़िया में एक थके हुए राष्ट्रपति की भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया, जबकि चीनी अभिनेत्री शिन ज़िलेई को द सन राइज़ ऑन अस ऑल में उनके प्रभावशाली अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

(ii) अमेरिकी फिल्म निर्माता बेनी सफी को मुख्य प्रतियोगिता में द स्मैशिंग मशीन के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला, जो एक चरित्र-आधारित नाटक था जिसने निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।

(iii) इतालवी निर्देशक जियानफ्रेंको रोसी को उनकी ब्लैक एंड व्हाइट डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'बिलो द क्लाउड्स' के लिए विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसकी कलात्मक और सामाजिक-राजनीतिक गहराई के लिए प्रशंसा की गई।

IMPORTANT DAYS

1. संयुक्त राष्ट्र ने 7 सितंबर को विश्व ड्यूशेन जागरूकता दिवस 2025 मनाया।

सितंबर 2025 में, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने 7 सितंबर को विश्व ड्यूशेन जागरूकता दिवस (डब्ल्यूडीएडी) के रूप में दूसरा वार्षिक आयोजन किया, जो ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) और बेकर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (बीएमडी) के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। 2025 का विषय "परिवार: देखभाल का केंद्र" था, जो इन दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से प्रभावित व्यक्तियों की सहायता में परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है।

- **WDAD की शुरुआत 2014 में विश्व डचेन संगठन (WDO) की एलिजाबेथ वूम और निकोलेटा माडिया ने की थी। इसे औपचारिक मान्यता नवंबर 2023 में मिली, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने प्रस्ताव A/RES/78/12 को अपनाया, जिसमें 7 सितंबर को WDO घोषित किया गया, और आधिकारिक तौर पर 2024 से इसका पालन शुरू हुआ।**

- **WDAD के अवसर पर, दुनिया भर में हज़ारों लाल गुब्बारे छोड़े जाते हैं, जो DMD/BMD से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति एकजुटता, आशा और स्मृति का प्रतीक हैं। यह पहल सरकारों और स्वास्थ्य प्रणालियों को शीघ्र निदान और बेहतर उपचार ढाँचों के लिए प्रेरित करने का भी काम करती है।**

- **पहला संयुक्त राष्ट्र-मान्यता प्राप्त WDAD 7 सितंबर 2024 को मनाया गया, जिससे 2025 का आयोजन संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में दूसरा आधिकारिक वैश्विक स्मरणोत्सव बन गया।**

Key Points:-

(i) ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (DMD) एक दुर्लभ, प्रगतिशील, एक्स-लिंक्ड आनुवंशिक विकार है जो डिस्ट्रोफिन जीन में उत्परिवर्तन के कारण होता है, जिससे गंभीर मांसपेशी कमज़ोरी होती है। BMD इसका एक हल्का प्रकार है जो बाद में शुरू होता है। ये सभी स्थितियाँ मिलकर गतिशीलता और जीवनकाल को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं।

(ii) विश्व स्तर पर, लगभग 5,000 नवजात बालकों में से 1 DMD से प्रभावित होता है। अधिकांश देशों में, इसका निदान 4 वर्ष की आयु के बाद होता है, और औसतन निदान में लगभग 2.5 वर्ष की देरी होती है, जिससे रोग का निदान बिगड़ जाता है। शीघ्र पहचान

एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है।

(iii) उपचार के बिना, DMD से पीड़ित व्यक्ति शायद ही कभी अपनी किशोरावस्था से आगे जीवित रह पाते हैं। हालाँकि, देखभाल के वर्तमान मानकों के साथ, कई लोग उन्नत चिकित्सा, फिजियोथेरेपी और श्वसन हस्तक्षेपों की सहायता से 30 या 40 वर्ष की आयु तक जीवित रह सकते हैं।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. चीन 2025 विजय दिवस परेड में जेएल-1 परमाणु-सक्षम वायु-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन करेगा।

सितंबर 2025 में, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फ़ोर्स (PLAAF) बीजिंग के तियानमेन चौक पर विजय दिवस परेड के दौरान JL-1 (जिंगलेई-1) एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (ALBM) का अनावरण करेगी। इस कार्यक्रम में मिसाइल का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन हुआ और इसने चीन की उन्नत वायु-आधारित परमाणु हमला क्षमताओं के बढ़ते महत्व को उजागर किया।

• JL-1 को H-6N बमवर्षक पर स्थापित किया गया है, जो एक आधुनिक विमान है जिसे लंबी दूरी के मिशनों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें हवा में ईंधन भरने की सुविधा है, जिससे विस्तारित परिचालन पहुंच संभव हो पाती है।

• लगभग 8,000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली यह मिसाइल चीन को महाद्वीपों के पार दूरस्थ लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता प्रदान करती है, जिससे उसकी वैश्विक रणनीतिक स्थिति मजबूत होती है।

• इसका डिजाइन DF-21 बैलिस्टिक मिसाइल परिवार से लिया गया है, जिसे भूमि-आधारित प्रणालियों से परे हमले की लचीलापन बढ़ाने के लिए हवाई प्रक्षेपण प्लेटफार्मों के लिए अनुकूलित किया गया है।

Key Points:-

(i) JL-1 परमाणु और पारंपरिक दोनों प्रकार के पेलोड का समर्थन करता है और मिसाइल सुरक्षा को बायपास करने और हमले की सटीकता को बढ़ाने के लिए इसे मैन्युवरेबल री-एंट्री व्हीकल (MARV) के साथ एकीकृत किया गया है।

(ii) JL-1 को शामिल करके चीन ने अपने परमाणु त्रिकोण के हवाई हिस्से को मजबूत किया है, जिससे भूमि और समुद्र आधारित परमाणु ताकतों के साथ-साथ उत्तरजीविता और विश्वसनीय निवारण सुनिश्चित हुआ है।

(iii) प्रदर्शित अन्य उन्नत प्रणालियों में JL-3 SLBM, DF-61 और DF-5C ICBMs, GJ-11 स्टील्थ ड्रोन, AJX002 पनडुब्बी ड्रोन और LY-1 लेजर हथियार के साथ-साथ AI-सक्षम रोबोटिक प्रणालियां शामिल थीं, जो चीन के आधुनिक, बहु-डोमेन युद्ध पर ध्यान केंद्रित करने का संकेत देती हैं।

BOOKS & AUTHORS

1. COAS जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लन की पुस्तक "ऑपरेशन सिंदूर" का विमोचन किया।

सितंबर 2025 में, थल सेनाध्यक्ष (COAS) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल K.J.S ढिल्लों द्वारा लिखित पुस्तक "ऑपरेशन सिंदूर: द अनटोल्ड स्टोरीज ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान" का विमोचन किया।

- **यह पुस्तक भारत के अग्रणी प्रकाशन गृहों में से एक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित की गई है।**

- **यह विशेष रूप से अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत की सैन्य प्रतिक्रिया का दस्तावेजीकरण करता है, जिसमें परिचालन योजना, निष्पादन चरण और निर्णय लेने की प्रक्रिया शामिल है।**

- **यह वृत्तांत भारत की सीमा पार की गहन हमलों के बारे में दुर्लभ परिचालन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, तथा उच्च दबाव की स्थितियों के दौरान सटीक रणनीति और नेतृत्व विकल्पों का विवरण देता है।**

Key Points:-

(i) "ऑपरेशन सिंदूर" आतंकवाद विरोधी अभियानों में भारत की रणनीतिक स्पष्टता, बल प्रयोग और सैन्य व्यावसायिकता को उजागर करता है।

(ii) यह पुस्तक भारतीय सेना के समग्र राष्ट्र दृष्टिकोण को रेखांकित करती है, जिसमें सैन्य कार्रवाइयों को कूटनीतिक और वर्णनात्मक प्रबंधन उद्देश्यों के साथ एकीकृत किया गया है।

(iii) संवेदनशील लेकिन महत्वपूर्ण परिचालन विवरणों का अनावरण करके, यह आतंकवाद और सीमा पार हमलों में आईए के विकसित होते सिद्धांत के ऐतिहासिक रिकॉर्ड के रूप में कार्य करता है।

Static GK

Microfinance Industry Network (MFIN) India	CEO एवं निदेशक : डॉ. आलोक मिश्रा	मुख्यालय : गुरुग्राम, हरियाणा
Amazon.com, Inc	CEO : एंडी जेसी	मुख्यालय: सिएटल, वाशिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका
NTPC Limited	स्थापना: 1975	मुख्यालय: नई दिल्ली
Jamaica	राजधानी: किंग्स्टन	मुद्रा: जमैका डॉलर
China	राजधानी: बीजिंग	राष्ट्रपति: शी जिनपिंग
Swimming Federation of India (SFI)	अध्यक्ष : आर एन जयप्रकाश	मुख्यालय : अहमदाबाद, गुजरात
World Duchenne Organization (WDO)	अध्यक्ष : एलिजाबेथ वरूम	मुख्यालय ; नीदरलैंड
Rajasthan	मुख्यमंत्री: भजन लाल शर्मा	राज्यपाल: हरिभाऊ बागड़े